शिक्षा सत्र २०२०-२१ से प्रभावी

CBCS आधृत स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) संस्कृत

संस्कृत मुख्य विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit

सत्र- तृतीय (Semester –3)

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA-C311**	**संस्कृत नाटक** **Sanskrit Drama**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याङ्कन : 30** **क्रेडिट 06**

प्रस्तावित पाठ्यक्रम -

खण्ड- (क) भासकृत प्रतिमानाटकम्, अङ्क- 1&3

खण्ड- (ख) कालिदासकृत अभिज्ञानशाकुन्तलम्, अङ्क- चतुर्थ

खण्ड- (ग) संस्कृत नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय परिभाषाएँ

खण्ड- (घ) संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख नाटककारों का परिचय

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के दो प्रसिद्ध नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् तथा प्रतिमानाटकम् से परिचित कराना है। जो न केवल छात्रों का काव्यात्मक ज्ञान वर्धन करेगा, अपितु तत्कालीन सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों से अवगत कराएगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcomes)-

- इसके अध्ययन से छात्र भास व कालिदास की नाट्यकला से परिचित होंगे।
- उक्त नाटकों में प्रतिपादित जीवनमूल्यों तथा व्यावहारिक ज्ञान से छात्रों का जीवन उत्कृष्ट होगा।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

भासकृत प्रतिमानाटकम्, प्रथम एवं तृतीय अङ्क

घटक (Unit) –1. (क) प्रथम अङ्क का परिचय, श्लोक / गद्यखण्ड व्याख्या एवं अनुवाद, नाट्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य

(ख) तृतीय अङ्क का परिचय, श्लोक / गद्यखण्ड व्याख्या एवं अनुवाद, नाट्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य

खण्ड- ख (Section–B)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अङ्क)

घटक (Unit) 1. – चतुर्थ अङ्क का परिचय, श्लोक / गद्यखण्ड की व्याख्या एवं अनुवाद, व्याकरणात्मक टिप्पणी, कवि का काव्यवैशिष्ट्य तथा कथावस्तु-योजना ।

घटक (Unit) 2. नाट्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य एवं कालिदास की उपमा, कालिदास काव्य में ध्वनि, प्रकृति का मानवीकरण, गृहस्थधर्म आदि विषयों का अध्ययन

खण्ड- ग (Section–C)

संस्कृत नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय परिभाषाएँ-

घटक (Unit) 1. नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, कञ्चुकी, विदूषक

घटक (Unit) 2. अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक एवं भरतवाक्य

खण्ड- घ (Section–D)

संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख नाटककारों का परिचय

घटक (Unit) 1. संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास

घटक (Unit) 2. प्रमुख नाटककार भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष एवं भवभूति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. प्रतिमानाटकम्, भासनाटकचक्रम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी एवं दिल्ली।
2. सुरेन्द्र देव शास्त्री, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
3. नारायणराम आचार्य, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, निर्णयसागर प्रेस ।
4. C.D. Devadhar (Ed.), Abhijñanaśākuntalam, MLBD, Delhi.
5. Gajendra Gadakar (Ed.), Abhijñanaśākuntalam.
6. दशरूपकम्, धनञ्जय, साहित्य भण्डार, मेरठ
7. दशरूपकम्, धनञ्जय, साहित्य निकेतन, कानपुर
8. साहित्यदर्पण, डॉ0 निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ

9. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कालिदास की लालित्ययोजना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
10. कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, अनिल प्रिण्टर्स, इलाहाबाद
11. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
12. Ratnamayi Dikshit, Women in Sanskrit Dramas, Meherchand Lacchman Das,Delhi.
13. A.B. Keith, Sanskrit Drama, Oxford University Press London, 1970.
14. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
15. G. K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar, 1975.